P.G. - SEM - II

CC - 05

आधुनिक काल की परिस्थितियाँ तथा प्रमुख प्रवृत्तियां —

आरंभिक परिस्थितियाँ – आधुनिक युग का आरम्भ सन् 1800-1850 के आस-पास हो चुका था, परन्तु उसे पूरी तरह से साहित्य का माध्यम बनाने में लगभग आधी शताब्दी का समय लग गया था। सन् 1850 भारतेन्दु का जन्म-काल है और आधुनिक काल का प्रथम चरण भारतेन्दु से ही सम्बन्धित है। परन्तु भारतेन्दु युग का विवेचन करने के लिए हमें उन तत्कालीन परिस्थितियों पर विचार करना पड़ेगा, जब विदेशी अंग्रेजी शासन, संस्कृति, भाषा और आदर्शों के टकराव से भारतीय जीवन में भयंकर नवीन उथल-पुथल आरंभ हो गई थी। सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता युद्ध के असफल हो जाने से ब्रिटिश-शासन सत्ता हमारे देश में पूर्ण रूप से प्रतिष्ठित हो गई। इस असफलता से उन शक्तियों का तीव्र ह्रास हुआ, जो मध्यकालीन रूढ़ समाज-व्यवस्था और संस्कृति का पोषक थी। फलस्वरूप मध्यकालीन सामन्ती व्यवस्था और संस्कृति इस देश से लुप्त होने लगी और एक नवीन परन्तु विदेशी शोषण पर आधारित आर्थिक — राजनीतिक प्रणाली का सूत्रपात हुआ। इस परिवर्तन के लक्षण बहुत पहले से दिखाई